गेटपास का रहस्य-2

“दीप ने मयूरी के कान में कहा- क्यों क्या हुआ ? पसंद नहीं आये क्या मेरे भैया ? मयूरी- नहीं ऐसी बात नहीं है। दीप- फिर जाओ उनके पास और बात करो ! मैं अभी आई। और इतना कह कर दीप रसोई में चली गई, मयूरी मेरे सामने खडी हुई थी और मैं सोफे पर बैठा हुआ […] ...”

Story By: saajan (u4saajan)
Posted: Thursday, June 13th, 2013
Categories: कोई मिल गया
Online version: गेटपास का रहस्य-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गेटपास का रहस्य-2

दीप ने मयूरी के कान में कहा- क्यों क्या हुआ ? पसंद नहीं आये क्या मेरे भैया ?

मयूरी- नहीं ऐसी बात नहीं है।

दीप- फिर जाओ उनके पास और बात करो !मैं अभी आई।

और इतना कह कर दीप रसोई में चली गई, मयूरी मेरे सामने खडी हुई थी और मैं सोफे पर बैठा हुआ था। मैं खड़ा हुआ और मयूरी का हाथ पकड़ा तो वो बुरी तरह से कांप गई, उसने अपनी आँखें नीची कर ली, उसका हाथ मेरे हाथ में आया तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने कोई फूल हाथ में ले लिया हो।

मैं- क्या मैं आपको पसन्द नहीं हूँ, अगर तुम बोलो तो मैं चला जाता हूँ।

मयूरी- मैंने कब कहा !

उसका यह जवाब सुनकर मेरा मन गद्गद हो गया, उसका हाथ पकड़ कर उसको सोफ़े पर बैठा दिया और खुद भी उसके साथ चिपक कर बैठ गया, उसका हाथ अब भी मेरे ही हाथों में था, उसने भी अपना हाथ छुड़ाने की कोशिश नहीं की, उसका हाथ अपने हाथ में लिए हुए मैं मयूरी से बोला- जबसे तुम को देखा है, तबसे मैं तुमको चाहने लगा हूँ तुम बहुत ही सुन्दर हो।

मेरी बात सुनकर उसने मेरी तरफ देखा, पर कहा कुछ नहीं, उसकी आँखें बता रही थी कि वो भी भी मुझे पसन्द करने लगी है।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं उसका हाथ हल्के से दबाते हुए बोला- तुम कुछ तो बोलो ?

मयूरी कुछ बोलती, उससे पहले दीप चाय लेकर कमरे में आ गई और वो बोलते-बोलते चुप हो गई।

फिर हम तीनों ने चाय पी, दीप ने मयूरी को छेड़ते हुए उससे बोली- कुछ बात भी की या ऐसे ही चुपचाप बैठे हो तुम दोनों ?

दीप की बात सुनकर मयूरी ने अपनी नजरें नीचे झुका ली और जमीन पर बिछे कालीन को अपने पैर के अंगूठे से कुरेदने लगी, बोली कुछ नहीं !

उसको बोलता न देख दीप ने मुझे पूछा- भाई, बात की आपने या नहीं ?

मैंने दीप से कहा- अभी शुरू ही की थी और तुम आ गई, इससे मैंने कुछ पूछा था पर तेरे आने से ये चुप हो गई।

“अच्छा जी, मुझसे शर्म आती है अब इसको ?” दीप अपनी आँखें निकलती हुई बोली।

दीप ने मुझसे कहा- भाई आप एक काम करो, इसको ऊपर वाले कमरे ले ले जाओ और बात कर लो, पर जल्दी करना, कहीं मम्मी न आ जायें वैसे तो मम्मी को आने में एक घंटा लगेगा।

मैंने दीप से कहा- अगर चाची जी आ गई तो क्या कहोगी ?

दीप मयूरी से बोली- एक काम करो, तुम मेरी कुछ किताबें ले जाना, ऊपर अगर मम्मी आएगी भी तो बोल दूँगी, इसको कुछ समझ नहीं आ रहा था और भाई भी आ गए तो मैंने ही भाई को बोला था पढ़ाने के लिए।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझे भी दीप की यह बात कुछ हद तक सही लगी, फिर दीप ने कुछ किताब निकल कर मयूरी को दी और कहा- जाओ, अब और खुल कर बात करना !

मयूरी के गाल शर्म से लाल हो गए थे, फिर मैं अपने साथ मयूरी को ऊपर के कमरे में ले गया।

ऊपर आकर मैंने मयूरी के हाथों से किताबें लेकर बेड पर रख दी, हम दोनों अभी खड़े हुए थे। मयूरी का हाथ पकड़ कर उसकी आँखों में देखते हुए बोला- तुमने जवाब नहीं दिया ?

मेरी बात जैसे उसने सुनी ही न हो, वो चुपचाप खड़ी रही, उसको चुप चाप खड़ी देखकर मैं मयूरी से बोला- अगर ऐसे ही चुप रहना है तो मैं जा रहा हूँ।

इतना कह कर जैसे ही मैं मुड़ने को हुआ, मयूरी ने मुझे पकड़कर मेरे सीने से लग गई और अपने दोनों हाथों से मेरी कमर पकड़ ली, तभी एकाएक वो मेरे गाल को चूमने लगी।

अचानक हुए इस हमले से मैं हैरान हो गया, मुझे मयूरी से ऐसी आशा नहीं थी पर अब मैं बहुत खुश था क्योंकि उसने मेरे गालों को चूम कर अपना जवाब दे दिया था। इससे अच्छा जवाब मुझे आज तक किसी ने नहीं दिया था।

अपने प्यार का इजहार मयूरी ने बहुत ही अनोखे अन्दाज से किया था, फिर मयूरी ने मेरे सीने पर अपना सर रख दिया और अपने दूसरे हाथ से मेरे सीने को सहला रही थी। मैंने मयूरी के माथे पर चुम्बन किया और उसका चेहरा अपने एक हाथ से ऊपर की ओर किया तो उसने अपने आँखें बंद कर ली, मेरा एक हाथ उसकी कमर में लिपटा हुआ था। मैंने उसकी दोनों आँखों को चूमा फिर उसके माथे को चूमा।

अब शायद उसको भी अन्दाजा हो गया था, कि अब आगे क्या होने वाला है, तभी तो उसकी दिल की धड़कनें बहुत तेजी से बढ़ने लगी थी, उसकी दिल की धडकन मुझे साफ़

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

साफ़ सुने दे रही थी। उसके पतले-पतले होंठ, धडकनों की ताल पर थिरक रहे थे। मैंने अपने होंठ को उसके थिरकते होंठों के ऊपर रख दिए अब उसके लबों की थिरकन बन्द हो चुकी थी।

उसने मुझे अपने दोनों हाथों से इस तरह जकड़ लिया था मानो कह रही हो समां जाओ मुझमें। फिर मैं उसके नीचे वाले होंठ को अपने होंठ में दबा कर उसके लबों का अमृत रस पीने लगा, क्या मस्त स्वाद था उसके होंठों का, मुझे ऐसा लग रहा था कि जैसे मैंने गुलाब की पंखुड़ियों पर अपने होंठ रख दिए हो और उसका स्वाद ऐसा जैसे मीठे मीठे रसगुल्लों का।

अभी मुझे उसके लबों का रस पीते हुए दस मिनट ही हुये थे। मुझे लगा कि कोई सीढ़ियों से कोई ऊपर आ रहा है, इसलिए मैंने मयूरी के लबों को अपने होंठों की कैद से आजाद कर दिया और फिर मैं मयूरी से धीरे से बोला- लगता है कोई आ रहा है।

इतना सुनते ही वो भी मुझसे लग हो गई और अपनी उखड़ी हुई सांसों को नियंत्रण करने की कोशिश करने लगी और इधर मैंने जल्दी से एक किताब अपने हाथ में ले ली कि देखने वाले को यह लगे कि मैं उसको पढ़ा रहा हूँ।

अभी हम दोनों सम्भले ही थे कि दीपशिखा कमरे के गेट पर खड़ी हो गई और वो हम दोनों को घबराया हुआ देख कर उसकी हंसी निकल पड़ी। दीप के हँसने के अंदाज से मुझे यह आभास हो गया था कि अभी सब कुछ ठीक है।

दीप ने मुझसे कहा- सॉरी भाई !मैंने आपको डिस्टर्ब किया।

मैंने दीप से कहा- कोई बात नहीं बोलो तुम ?

ये शब्द मैं दीप से कह जरूर रहा था पर मुझे दीप पर बहुत गुस्सा आ रहा था कि इसको भी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अभी ही आना था !

अभी मैं सोच ही रहा था कि दीप की आवाज मेरे कानों में सुनाई पड़ी- भैया, मम्मी अभी आई थी।

दीप ने इतना ही कहा था कि मेरी और मयूरी की हालत खराब हो गई, मैंने दीप से पूछा- क्या चाची जी आई गई हैं ?

दीप ने कहा- आई थी पर घबराने बात नहीं है, मम्मी पड़ोस वाली आंटी के साथ मार्किट कुछ सामान लेने गई है। बस वो मुझे इतना ही बताने आई थी और वो अब कम से कम दो घंटे से पहले नहीं आयेंगी इसलिए आप दोनों आराम से बात करो !

दीप की बात सुनकर मेरी जान में जान आई और अब मयूरी के चेहरे पर भी खुशी की झलक दिखाई दे रही थी।

दीप ने मुझसे कहा- भाई, आपकी इससे कुछ बात हुई या नहीं या ये अभी भी शरमा रही है ?

दीप की बात सुनकर मयूरी ने अपनी नज़र नीची कर ली, मैंने दीप से कहा- हाँ, कुछ बात तो हुई है, और कुछ रह रही है।

दीप ने कहा- ठीक है, आप बात करो मुझे घर का काम निपटाना है, मैं तो चलूँ !

और इतना कह कर वो जाने के लिए मुड़ी और जैसे ही जाने को हुई तो वो रुक गई, जैसे उसको कुछ याद आया हो। दीप वापस हमारी तरफ मुड़ी और वो बोली- सॉरी भाई, मयूरी से कुछ कहना था, वो तो मैं भूल ही गई !

और फिर वो मयूरी के पास पहुँची और उसके कान में दीप ने बहुत धीरे से कुछ कहा जो

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझे सुनाई नहीं दिया पर दीप की बात सुन कर मयूरी अब कुछ ज्यादा ही शरमा रही थी। दीप ने मयूरी से जो कहना था, वो कहा और वो जैसे आई थी वो वैसे ही नीचे वापस चली गई।

कहानी जारी रहेगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

रशियन लड़की की मालिश और चूत चुदाई

अन्तर्वासना पर हिन्दी सेक्स कहानी पढ़ने वाले सभी पाठकों को नमस्कार.. मैं अपनी पहली कहानी लिख रहा हूँ। मैंने इसको हिन्दी में लिखने का प्रयास किया था लेकिन मैं लिख नहीं पाया था, अन्तर्वासना के सम्पादक जी ने इसे इस […]

Full Story >>>

दोस्त की भाभी ने चूत की पेशकश की-2

जब मेरे मित्र के दीदी की शादी को दस दिन बचे थे तो मेरे दादा जी की तबीयत अचानक बिगड़ गई… आनन फानन में उनको अस्पताल में दाखिल कराया गया… 4 दिन आई.सी.यू में रखने के बाद डॉक्टर ने बताया […]

Full Story >>>

दोस्त की भाभी ने चूत की पेशकश की-1

अन्तर्वासना के सभी पाठक-पाठिकाओं को मैं जी पी ठाकुर हृदय की गहराइयों से प्रणाम करता हूँ ! मैं 25 वर्ष का स्मार्ट गबरू जवान हूँ… बीटेक करने के बाद दो साल जॉब की और फिलहाल सिविल परीक्षा की तैयारी में व्यस्त […]

Full Story >>>

भाभी ने दिया चूत चोदने का आनन्द

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम नमन शर्मा है, मैं आगरा से हूँ। मैं 22 साल का जवान लड़का हूँ और मैं अपने माँ-बाप का इकलौती सन्तान हूँ। पापा की सरकारी नौकरी है और माँ गृहणी हैं। मैं पिछले कई सालों से […]

Full Story >>>

ट्रेन में मिली प्यासी चूत

मेरा नाम लव है, मैं अन्तर्वासना का एक लंबे समय से पाठक हूँ। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मेरे साथ भी ऐसा होगा और मैं भी कभी कोई कहानी पोस्ट करूँगा। दोस्तो यह बिल्कुल सच्ची कहानी है। बात आज […]

Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Suck Sex

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Antarvasna Porn Videos

Antarvasna Porn Videos is our latest addition of hardcore porn videos.

Urdu Sex Videos

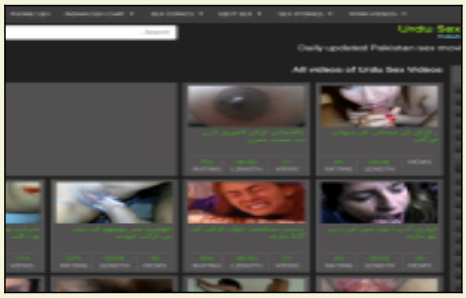

Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

Indian Porn Live

Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire